न्यूज डायरी

अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह पर भीषण जानलेवा हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। तालिबान और पाकिस्तान के कट्टर आलोचक अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह के काफिले पर राजधानी काबुल में भीषण बम हमला हुआ है। इस हमले में सालेह बाल–बाल बच गए हैं। सालेह के बेटे ने बताया कि उनके काफिले पर हमला हुआ है लेकिन इसमें उनके साथ का कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है। बम हमले में तीन लोगों की मौत हो गई है और 12 लोग घायल हो गए हैं। उपराष्ट्रपति सालेह के बेटे एबाद सालेह ने ट्वीट कर कहा, मैं आश्वासन देना चाहता हूं कि मैं और मेरे पिता दोनों ही सुरक्षित हैं और हमारे साथ का कोई भी व्यक्ति शहीद नहीं हुआ है। सब लोग सुरक्षित हैं। एबाद अपने पिता के साथ यात्रा कर रहे थे। इससे पहले भी सालेह के ऊपर पिछले साल जानलेवा हमला हुआ था जिसमें 20 लोग मारे गए थे। यह धमाका इतना भयानक था कि गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए।

लद्दाख के पास चीन ने किया बड़ा युद्धाभ्यास, परमाणु बॉम्बर ने बरसाए बम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। लद्दाख में भारतीय जवानों के जवाबी ऐक्शन से तिलमिलाए चीन की सेना और वायुसेना ने तिब्बत के पठार पर बड़ा युद्धाभ्यास शुरू किया है। चीन के परमाणु बम गिराने में सक्षम H–6 बमवर्षक विमानों ने तिब्बत के ऊंचाई वाले इलाकों में बम गिराने का अभ्यास किया। उधर, चीन की सेना ने भी लाइव फायर ड्रिल किया है। इस दौरान चीनी सेना ने टैंकों से गोले बरसाए और मिसाइलें दागने का अभ्यास किया। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है कि यह युद्धाभ्यास हाल ही में किए गए हैं। चीनी अखबार ने कहा कि पीएलए के सेंट्रल थिएटर कमांड एयर फोर्स ने हाल ही में पठारी इलाके में युद्धाभ्यास किया है। इस अभ्यास में एच–6 बमवर्षक विमानों ने ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट वाई–20 ने हिस्सा लिया। ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया कि चीनी पायलटों ने इतनी ऊंचाई के बाद भी बेहतरीन प्रदर्शन किया।

शिकागो गोलीबारी में आठ वर्षीय बच्ची सहित 10 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) शिकागो। अमेरिका के शिकागो में 'लेबर डे' सप्ताहांत पर हुई गोलीबारी में आठ साल की एक बच्ची समेत 10 लोगों की मौत हो गई। अमेरिका में शुक्रवार से मंगलवार देर रात तक हिंसक घटनाओं में 50 से अधिक लोग हताहत हुए हैं। पुलिस अधीक्षक डेविड ब्राउन ने पत्रकारों से कहा, '' हम यकीनन हिंसक अपराधों से निपटने के लिए कदम उठा रहे हैं और हमने इमसें थोड़ी प्रगति भी देखी है।'' जुलाई से अगस्त के बीच हत्या की घटनाओं में 45 प्रतिशत की जबकि गोलीबारी की घटनाओं में 15 प्रतिशत की कमी आई है। कुक काउंटी मेडिकल परीक्षक कार्यालय के दजोर विल्सन ने 'लेबर डे' सप्ताहांत पर गोलीबारी का शिकार हुई आठ वर्षीय बच्ची की पहचान की है। पुलिस ने बताया कि बच्ची निशाना नहीं थी। अधिकारियों को गोलीबारी के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना के सिलसिले में अभी किसी को पकड़ा नहीं गया है।

आसपास ही है कोरोना वायरस, कोई एक देश नहीं हो सकता सुरक्षित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। कोविड–19 के मद्देनजर देश की उपलब्धि की सराहना करते हुए चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चेतावनी भी दी है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह बीमारी अभी भी है। इस घातक वायरस से कोई भी देश अकेले सुरक्षित नहीं हो सकता। बता दें कि पिछले साल के अंत में नॉवेल कोरोना वायरस से संक्रमण का पहला मामला चीन के वुहान में ही आया था जिसके बाद 2–3 महीनों में ही इसने पूरी दुनिया को अपने चपेट मे ले लिया। 11 मार्च 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी घोषित कर दिया। अब तक पूरी दुनिया में कोविड–19 के लिए वैक्सीन विकसित करने में सफलता नहीं मिल सकी है। हालांकि रूस ने पिछले माह यह वैक्सीन विकसित करने का दावा किया। रूस द्वारा विकसित वैक्सीन का नाम स्पूतनिक वी रखा गया है।

अरुणाचल में याक भेजकर भारतीय सेना की जासूसी करता है चीन?

भारत ने पिछले दिनों 13 चीनी याक को वापस चीनी सीमा में वापस भेज दिया

चालाकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच जहां तनाव अपने चरम पर है, वहीं भारतीय पक्ष ने पिछले दिनों मानवीयता का परिचय देते हुए 13 चीनी याक को वापस चीनी सीमा में भेज दिया। ये सभी अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग में 31 अगस्त को भटक गए थे। ये सभी चीनी याक करीब 7 भारतीय सेना की निगरानी में रहे। चीनी याक के भारतीय क्षेत्र में घुसने को लेकर अब संदेह के बादल उमड़ने लगे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक याक के जरिए चीन के भारतीय क्षेत्र की जासूसी करने का शक है। यह भी संदेह जताया जा रहा है कि चीन जासूसी उपकरण लगाकर याक को भारतीय इलाके में भेजता है। ऐसा नहीं है कि केवल चीन ही जानवरों के जरिए जासूसी करता है। जानवरों के जरिए पूरी दुनिया में जासूसी का खेल काफी लंबे समय से चल रहा है। पिछले साल ही नार्वे के तट पर एक बेलुगा

व्हेल मछली को पकड़ा गया था।

बेलुगा मछली रूस के कैद से निकल भागी: बेलुगा मछली के ऊपर इलेक्ट्रानिक उपकरण लगा हुआ था। माना जाता है कि यह बेलुगा मछली रूस के कैद से निकल भागी थी जहां उसे जासूसी का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। वेलुगा वेल जिन्हें आम बोलचाल की भाषा में सफेद वेल कहा जाता है अपनी प्रजाति का सबसे छोटा वेल है। इनका आकार सिर्फ 20 फीट तक का होता है। आर्कटिन सागर के पानी में ही आम तौर पर इसे पाया जाता है।

पूर्व में भी रूस ने समुद्री जीवों के जरिए कई ऑपरेशन अंजाम देने का काम किया है। शीत युद्ध के दौर में रूस ने डॉल्फिन का इस्तेमाल सबमरीन, फ्लैग माइन्स के लिए करने के साथ जहाजों की रखवानी के लिए भी किया। सैटलाइट से मिली ताजा तस्वीरों में खुलासा हुआ है कि रूस ने गृहयुद्ध से जूझ रहे सीरिया में अपनी पनडुब्बियों के साथ प्रशिक्षित डॉल्फिन मछलियों को भी तैनात किया है।

टार्टस नेवल बेस पर तैनात है रूसी डॉल्फिन: फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक सैटलाइट से मिले ताजा साक्ष्यों से पता चला है कि रूसी नौसेना ने प्रशिक्षित डॉल्फिन मछलियों की सेना को वर्ष 2018 के अंत में अपने टार्टस नेवल बेस पर तैनात किया था। इस नेवल बेस पर सीरिया में युद्ध के लिए रूस ने अपनी पनडुब्बियों को तैनात कर रखा है। विशेषज्ञों के मुताबिक डॉल्फिन का इस्तेमाल दुश्मनों के गोताखोरों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है जो युद्धपोत को बंदरगाह के अंदर नुकसान पहुंचा सकते हैं। रूस अपनी पनडुब्बियों की मदद से सीरिया पर मिसाइल हमले कर रहा है।

अमेरिकी नौसेना पिछले कई दशक से डॉल्फिन को जासूसी का प्रशिक्षण दे रही है। ये डॉल्फिन मछली सेंसर से लैस होती हैं जो समुद्र के अंदर विस्फ्फोटकों और कई बार सबमरीन का पता लगाती हैं।

ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के कोरोना वैक्सीन का ट्रायल रोका गया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। कोरोना वायरस महमारी से निपटने के प्रयासों को बड़ा झटका लगा है। कोरोना वायरस के खात्मे के लिए सबसे ज्ध्यादा उम्मीद जगा रही ऑक्सफर्ड की वैक्सीन AZD1222 के तीसरे और अंतिम चरण के ट्रायल को रोक दिया गया है। बताया जा रहा है कि ब्रिटेन में एक व्यक्ति को ऑक्सफर्ड की कोरोना वायरस वैक्सीन लगाई गई थी और उसके शरीर में गंभीर दुष्प्रभाव देखे गए। इसके बाद कोरोना वैक्ध्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल को रोक दिया गया है। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और ब्रिटिश–स्वीडिश कंपनी एस्ट्राजेनिका की यह वैक्ध्सीन पूरी दुनिया के लिए उम्मीद का किरण बन गई थी और भारत में भी इस वैक्सीन का ट्रायल शुरू हो गया था। इस वैक्सीन को ब्रिटेन में तीसरे चरण के ट्रायल के दौरान एक शख्स को लगाया गया था लेकिन उसके अंदर गंभीर दुष्प्रभाव देखे गए हैं। गंभीर दुष्प्रभाव से आशय यह है कि वैक्सीन या दवा के देने के बाद मरीज को अस्पताल ले जाना पड़ा है और यह जानलेवा या बेहद घातक दुष्प्रभाव होता है। यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मरीज में किस तरह का दुष्प्रभाव देखा गया है लेकिन इस पूरे मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि मरीज के जल्द ही ठीक होने की उम्मीद है।

कैद होकर स्कूल में पढ़ाई को मजबूर हुए बच्चे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। कोरोना वायरस के कहर का सबसे ज्यादा सामना करने वाले देशों में शामिल ईरान में करीब 7 महीने बाद शनिवार को फिर से स्कूल खुल गए। देश में कोरोना वायरस महामारी के फैलने के बाद सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया था। देश के डेढ़ करोड़ बच्चों में से ज्यादातर स्कूल लौट आए हैं लेकिन यह उन्हीं इलाकों में संभव हुआ है, जहां पर कम संक्रमण है। स्कूल लौटने के बाद हालत यह है कि बच्चों को कैद होकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। कुछ स्कूलों में कोरोना के संक्रमण से बचने के लिए ईरानी बच्चों को विशेष रूप से तैयार किए गए नेट के अंदर बैठना पड़ रहा है जो चारों से ओर से पूरी तरह से बंद है।

पाकिस्तान से भी खराब है भारत की हालत, न जाएं अमेरिकी नागरिक: अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका ने देशवासियों से पाकिस्तान की 'यात्रा की योजना पर पुनर्विचार' करने को कहा

वॉशिंगटन। भारत के साथ दोस्ती का दंभ भरने वाले अमेरिका की नजर में भारत की हालत पाकिस्तान से भी खराब है और उसने अपने देशवासियों को भारत नहीं जाने की सलाह दी है। अमेरिका ने पाकिस्तान के लिए अपने यात्रा परामर्श में संशोधन किया है और इसे तीसरे स्तर पर रखते हुए देशवासियों से पाकिस्तान की 'यात्रा की योजना पर पुनर्विचार' करने को कहा है। भारत अभी भी न जाने वाले देशों की सूची में शामिल है।

इससे पहले पाकिस्तान को चौथे स्तर पर रखा गया था। चौथे स्तर पर रखे गए देश 'यात्रा नहीं करने' के परामर्श की श्रेणी में आते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के परामर्श के अनुसार भारत अब भी यात्रा परामर्श के चौथे स्तर में है। भारत के अलावा सीरिया, ईरान, इराक और यमन समेत कई देश चौथे स्तर वाली सूची में शामिल हैं। अमेरिका ने भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के लगातार बढ़ रहे मामलों के मद्देनजर वहां 'यात्रा नहीं करने' का परामर्श छह अगस्त को जारी किया था।

मंत्रालय ने जारी परामर्श में कहा, 'कोविड–19 और आतंकवाद के मद्देनजर पाकिस्तान की यात्रा की योजना पर पुनर्विचार करें।'बता दें कि इससे पहले 10 अगस्त को जारी परामर्श में पाकिस्तान को चौथे स्तर में रखा गया था। मंत्रालय ने अमेरिकी नागरिकों से अपील की कि वे आतंकवाद और अपहरण की घटनाओं के कारण बलूचिस्तान एवं खैबर पख्तूनख्वा और आतंकवाद एवं सशस्त्र संघर्ष की आशंका के कारण नियंत्रण रेखा के पास यात्रा नहीं करें।

मंत्रालय ने बताया कि सीडीसी ने कोविड–19 के मद्देनजर पाकिस्तान के लिए तीसरे स्तर का यात्रा स्वास्थ्य नोटिस जारी किया है। फेथ ने कहा कि सरकार इसे प्राथमिकता के आधार पर उठाए ताकि देश के बारे में बन रही नकारात्मक छवि को रोका जा सके।

घर में लगी भीषण आग, वफादार कुत्ते ने बचाई घरवालों की जान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अलबामा। अमेरिका के अलबामा में रहने वाले एक परिवार की जान उस वक्त बाल–बाल बच गई जब उनके कुत्ते ने रात के वक्त लगातार भौंक कर परिवार को जगा दिया और परिवार ने देखा कि उनका पूरा घर आग की चपेट में है। बर्मिंघम होम में रहने वाले डेरेक वॉकर ने बताया कुत्ता 'राल्फ' अमूमन रात के वक्त नहीं भौंकता, इसलिए जब रात के वक्त राल्फ ने अजीब आवाज में भौंकना शुरू किया तो वह देखने के लिए उठे की माजरा क्या है।

वॉकर ने बताया कि उठने पर उन्होंने देखा कि उनके किचन की खिड़की में आग लगी है। नॉर्थ शेलबाई दमकल विभाग के बटालियन प्रमुख रॉबर्ट लॉसन ने बताया कि आग ग्रिल से हो कर पूरे घर में फैल रही थी। वॉकर ने कहा,'मैं जोर से चिल्लाया आग और सारे लोग उठ गए। मेरी पत्नी उठ गई और उसने बेटियों को उठाया और उन्हें ले कर घर से बाहर निकल गई।' वॉकर, सबकी जान बचाने वाले राल्फ को बाहर निकालने के लिए घर के अंदर गए। वॉकर के घर में दो छोटे सुअर भी थे। आग से घर को भारी नुकसान पहुंचा है।